श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

॥ श्रीहयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावळिः ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीहयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

1	ओं हयग्रीवाय नमः	2	ओं महाविष्णवे नमः
3	ओं केशवाय नमः	4	ओं मधुसूदनाय नमः
5	ओं गोविन्दाय नमः	6	ओं पुण्डरीकाक्षाय नमः
7	ओं विष्णवे नमः	8	ओं विश्वम्भराय नमः
9	ओं हरये नमः	10	ओं आदित्याय नमः
11	ओं सर्ववागीशाय नमः	12	ओं सर्वाधाराय नमः
13	ओं सनातनाय नमः	14	ओं निराधाराय नमः
15	ओं निराकाराय नमः	16	ओं निरीशाय नमः
17	ओं निरुपद्रवाय नमः	18	ओं निरञ्जनाय नमः
19	ओं निष्कलङ्काय नमः	20	ओं नित्यतृप्ताय नमः
21	ओं निरामयाय नमः	22	ओं चिदानन्दमयाय नमः
23	ओं साक्षिणे नमः	24	ओं शरण्याय नमः
25	ओं सर्वदायकाय नमः	26	ओं श्रीमते नमः
27	ओं लोकत्रयाधीशाय नमः	28	ओं शिवाय नमः
29	ओं सारस्वतप्रदाय नमः	30	ओं वेदोद्धर्त्रे नमः
31	ओं वेदनिधये नमः	32	ओं वेदवेद्याय नमः
33	ओं प्रभूत्तमाय नमः	34	ओं पूर्णाय नमः

www.prapatti.com

35	ओं पूरयित्रे नमः	36	ओं पुण्याय नमः
37	ओं पुण्यकीर्तये नमः	38	ओं परात्पराय नमः
39	ओं परमात्मने नमः	40	ओं परज्योतिषे नमः
41	ओं परेशाय नमः	42	ओं पारगाय नमः
43	ओं पराय नमः	44	ओं सर्ववेदात्मकाय नमः
45	ओं विदुषे नमः	46	ओं वेदवेदान्तपारगाय नमः
47	ओं सकलोपनिषद्वेद्याय नमः	48	ओं निष्कलाय नमः
49	ओं सर्वशास्त्रकृते नमः	50	ओं अक्षमालाज्ञानमुद्रायुक्त-हस्ताय नमः
51	ओं वरप्रदाय नमः	52	ओं पुराणाय नमः
53	ओं पुरुषश्रेष्ठाय नमः	54	ओं शरण्याय नमः
55	ओं परमेश्वराय नमः	56	ओं शान्ताय नमः
57	ओं दान्ताय नमः	58	ओं जितक्रोधाय नमः
59	ओं जितामित्राय नमः	60	ओं जगन्मयाय नमः
61	ओं जन्ममृत्युहराय नमः	62	ओं जीवाय नमः
63	ओं जयदाय नमः	64	ओं जाड्यनाशनाय नमः
65	ओं जपप्रियाय नमः	66	ओं जपस्तुत्याय नमः
67	ओं जापकप्रियकृते नमः	68	ओं प्रभवे नमः
69	ओं विमलाय नमः	70	ओं विश्वरूपाय नमः
71	ओं विश्वगोप्त्रे नमः	72	ओं विधिस्तुताय नमः

www.prapatti.com

73	ओं विधीन्द्रशिवसंस्तुत्याय नमः	74	ओं शान्तिदाय नमः
75	ओं क्षान्तिपारगाय नमः	76	ओं श्रेयःप्रदाय नमः
77	ओं श्रुतिमयाय नमः	78	ओं श्रेयसांपत्ये नमः
79	ओं ईश्वराय नमः	80	ओं अच्युताय नमः
81	ओं अनन्तरूपाय नमः	82	ओं प्राणदाय नमः
83	ओं पृथिवीपतये नमः	84	ओं अव्यक्ताय नमः
85	ओं व्यक्तरूपाय नमः	86	ओं सर्वसाक्षिणे नमः
87	ओं तमोहराय नमः	88	ओं अज्ञाननाशकाय नमः
89	ओं ज्ञानिने नमः	90	ओं पूर्णचन्द्रसमप्रभाय नमः
91	ओं ज्ञानदाय नमः	92	ओं वाक्पतये नमः
93	ओं योगिने नमः	94	ओं योगीशाय नमः
95	ओं सर्वकामदाय नमः	96	ओं महायोगिने नमः
97	ओं महामौनिने नमः	98	ओं मौनीशाय नमः
99	ओं श्रेयसाङ्गतये नमः	100	ओं हंसाय नमः
101	ओं परमहंसाय नमः	102	ओं विश्वगोप्त्रे नमः
103	ओं विराजे नमः	104	ओं स्वराजे नमः
105	ओं शुद्धस्फटिकसङ्काशाय नमः	106	ओं जटामण्डलसंयुताय नमः
107	ओं आदिमध्यान्तरहिताय नमः	108	ओं सर्ववागीशवरेश्वराय नमः

॥ इति श्रीहयग्रीवाष्टोत्तरशतनामावळिः संपूर्णा ॥